कक्षा–2, वर्कशीट-14 (साप्ताहिक)

पाठ -14 (नटखट चूहा)

बच्चे का नाम........................	स्कूल....................................
अभिभावक का नाम..................	मोबाइल नम्बर............................

अभिभावकों के लिए – हम आशा करते हैं कि आप या घर का कोई भी सदस्य इस वर्क शीट के कार्य को पूरा करने में बच्चों की मदद करेंगे।

गतिविधि 1. *बच्चों के साथ अपने आस–पास घर पर दिखने वाले जानवरों पर बात करें। फिर उन्हें यह चित्र दिखाते हुए उनसे इस पर खूब सारी बातचीत करें जैसे– चित्र में क्या–क्या दिख रहा है? यह कहाँ का चित्र होगा? चित्र में चूहे आपस में क्या बातें कर रहे होंगे? चित्र को देखकर कोई पांच चीजो के बारे में बताओ? चित्र में दिख रहा छोटा चूहा क्या बोल रहा होगा? चित्र में सिपाही चूहे को क्यों पकड़ रहे होंगे?*

(1)

(2)

गतिविधि– *ऊपर दिये गए चित्र (2) में चूहें को सिपाही क्यों पकड़ रहें होंगे इस के बारे में आप नीचे लिखो।*

....

गतिविधि 2. *बच्चे नीचे दिए गए 'त्र' वर्ण को पढ़कर उचित ढंग से लिखेगें।*

त्र	त्र	त्र	....

गतिविधि 10. *सामने दिए गये वाक्यों को सही क्रम में लगाओ कि पहले क्या हुआ और उसके बाद क्या हुआ। कहानी के अनुसार ही वाक्यों का क्रम होना चाहिए सही क्रम में लगाने के बाद वाक्यों को अपनी कॉपी में लिखें।*

- चूहा राजा के दरबार में गया।
- दर्ज़ी ने चूहे की टोपी सिल दी।
- चूहा दुकानदार के पास सितारे लेने गया।
- चूहे को रेशमी कपड़े की कतरन मिली।
- चूहा सिंहासन पर बैठ गया।
- चूहा तैयार होकर शहर की तरफ़ निकल पड़ा।

....

....

....

....

गतिविधि 11. *सामने दिए गये चूहे के चित्र को देखकर उसी प्रकार का चित्र दूसरे बॉक्स में बनाओ और उस पर रंग भरो।*

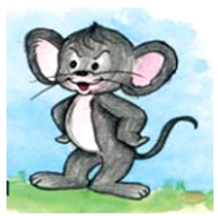

गतिविधि 12. *नीचे दी गयी कहानी (मछली से दोस्ती) को ध्यान से पढ़ें और उससे सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर लिखें।*

एक नदी के किनारे चुन्नू खरगोश का बिल था। चुन्नू बहुत खिन्न रहता क्योंकि उसका कोई दोस्त नहीं था। एक दिन चुन्नू बिल के बाहर उदास बैठा था। तभी उसकी नजर नदी में उछलती एक नीली मछली पर पड़ी। नीली मछली देख चुन्नू ने सोचा, अगर ये मेरी दोस्त बन जाये तो मजा आएगा। यह सोचकर वह जोर से बोला, नीली मछली,नीली मछली, क्या तुम मुझसे दोस्ती करोगी? नीली मछली बोली, मैं तुम्हारी दोस्त बन तो जाऊँ। पर मेरा क्या फायदा? चुन्नू बोला, मैं तुम्हें रोज लाल-लाल गाजर खाने को दूँगा। मछली को लाल गाजर बहुत पसंद थी। यह सुनकर वह खुशी से बोली, ठीक है। अब रोजाना दोनों साथ-साथ गाजर खाते और खूब बातें करते।

प्रश्न 1. चुन्नू क्यों खिन्न रहता था?

....

प्रश्न 2. चुन्नू ने मछली से क्या कहा?

....

प्रश्न 3. मछली क्यों बोली, अच्छा ठीक हैं?

....

निर्माणकर्ता–
अरविन्द कुमार, जसपाल असवाल, ब्लाक–जहरिखाल ,पाबों, पौड़ी गढ़वाल

तकनीकी सहयोग
– रूम टू रीड इण्डिया ट्रस्ट

गतिविधि 3. *बच्चे नीचे दिए गये शब्दों को पढ़कर लिखेगें।*

सत्र	इत्र	पुत्र	पवित्र	त्रिशूल	पात्र	यात्रा
....	....	....	....	....	....	....

गतिविधि 4. *अभिभावक बच्चों को बतायेंगे की जिस तरह दर्जी शब्द में 'र' आवाज है उसी तरह कुछ शब्द नीचे लिखे गये हैं, बच्चों को उन्हें स्पष्ट उच्चारण के साथ पढ़कर दिखायें और पढने के लिए भी कहें।*

अर्थ	नर्म	मर्द	कर्ज	गर्त
धर्म	हर्ज	मूर्ति	मर्जी	विद्यार्थी

गतिविधि 5. *अभिभावक नीचे लिखी गई कहानी को धराप्रवाह के साथ पढ़कर बच्चों को सुनाएँ तथा बच्चों से भी कहानी को पढ़ने के लिए कहें।*

एक बड़ा ही नटखट, शरारती तथा चालाक चूहा था। वह हमेशा कुछ—न—कुछ शरारत करता रहता था। एक दिन उसने सोचा—बारिश के कारण बिल में रहते बहुत दिन हो गए। आज मैं शहर जाऊँगा। यह सोचकर नटखट चूहा झटपट तैयार होकर शहर की तरफ़ चल पड़ा। रास्ते में उसे एक कपड़े की दुकान दिखाई पड़ी। वह चुपचाप दुकान के अंदर चला गया। दुकानदार ने जब चूहे को देखा तो उसने चूहे से पूछा कि वह उसकी दुकान में क्या कर रहा है। चूहे ने दुकानदार को बताया कि वह अपनी टोपी के लिए कुछ कपड़ा खरीदने आया है। दुकानदार ने कहा कि वह चूहे को कुछ भी नहीं बेचता। इस पर चूहा क्रोधित हो उठा तथा एक गीत गाने लगा रातों रात मैं आऊँगा अपनी सेना लाऊँगा तेरे कपड़े कुतरूंगा। यह सुनकर दुकानदार डर गया और उसने चूहे को रेशमी कपड़े का एक टुकड़ा दे दिया। कपड़े का टुकड़ा लेकर चूहा दर्जी की दुकान में जा पहुँचा। चूहे ने दर्जी को रेशमी कपड़ा दिया और एक अच्छी टोपी सिल देने को कहा। दर्जी ने चूहे को डाँटा और कहा कि इसके लिए उसके पास समय नहीं है। इस पर चूहा गुस्से में फिर वही गीत गाने लगा। इस पर दर्जी भी घबरा गया। उसने डर कर तुरंत चूहे के लिए एक सुंदर—सी टोपी तैयार कर दी। नटखट चूहे ने उस टोपी को पहना और आइने में अपने चेहरे को निहारा। यह टोपी तो एकदम सादी है। मैं इस पर चमकीले सितारे लगवाऊँगा—चूहे ने सोचा। चूहा कूदता—फाँदता एक छोटी—सी दुकान में पहुँचा, जहाँ सुनहरे तथा रुपहले सितारे बिक रहे थे। चूहे ने दुकानदार से कहा कि मैं अपनी टोपी के लिए सुनहरे और रुपहले सितारे खरीदने आया हूँ। इस पर दुकानदार ने क्रोधित होकर कहा कि यहाँ से भाग जाओ, मुझे बेवकूफ़ बनाने की कोशिश मत करो। इस पर चूहे ने गुस्से में इस वाक्य को दोहराया रातों—रात मैं आऊँगा अपनी सेना लाऊँगा द्य सारे सितारे बिखेरूँगा द्यचूहे की इस धमकी से दुकानदार डर गया उसने चूहे से कहा कि वह उसकी टोपी में रंग—बिरंगे सितारे टाँक देगा। जब टोपी तैयार हो गई तो चूहे ने टोपी पहनकर खुद को आइने के सामने निहारा। उसने सोचा —मैं किसी राजा से कम नहीं लग रहा। चलकर अपनी चमकीली टोपी राजा को दिखाता हूँ। चूहा राजा के पास जा पहुँचा। उसने राजा से पूछा कि वह कैसा लग रहा है। इस पर राजा ने उत्तर दिया—वाह! तुम तो एकदम राजकुमार लग रहे हो। इस पर चूहा झटपट बोला—अच्छा, तो फिर उतरो सिंहासन से। यहाँ मैं बैठुँगा। यह सुनकर राजा चूहे पर हँसा। उसने चूहे से भाग जाने को कहा। उसने कहा कि यह सिंहासन चूहे के लिए नहीं है। केवल राजा ही इस पर बैठ सकता है। इस पर चूहे ने कहा रातों—रात मैं आऊँगा। अपनी सेना लाऊँगा तेरे कान कुतरूंगा। यह सुनकर राजा डर से काँपने लगा। उसने सोचा, चूहों की फ़ौज तो पूरे महल को तहस—नहस कर देगी। भयवश उसने चूहे को सिंहासन पर बैठने की अनुमति दे दी। चूहा काफी देर तक सिंहासन पर बैठा रहा। फिर खुशी—खुशी घर की ओर चल पड़ा। उसने अपनी चमकीली टोपी अपने सभी साथियों को दिखाई। उसके सभी साथी उसकी कहानी सुनना चाहते थे।

गतिविधि 6. *अभिभावक बच्चों से नीचे दिये गए प्रश्न पूछें और उन्हें उत्तर लिखने के लिए प्रेरित करें।*

प्रश्न 1— नटखट चूहा तैयार होकर कहाँ निकल पड़ा?
उत्तर— ....

प्रश्न 2— चूहा टोपी क्यों पहनना चाहता था?
उत्तर— ....

प्रश्न 3— दर्जी ने चूहे की सितारों वाली टोपी सिलने से क्यों मना कर दिया?
उत्तर— ....

प्रश्न 4— चूहा अपनी सितारों वाली सुन्दर टोपी किसे दिखाने गया?
उत्तर— ....

गतिविधि 7. *दर्जी अपने काम में कैंची, फीते, मशीन, धागे का इस्तेमाल करता है। ये लोग किन—किन चीजों की मदद से अपना काम करते हैं।*

बढ़ई — ....
रसोईया — ....
डाक्टर — ....
कुम्हार — ....

गतिविधि 8. *चूहा अपने काम के लिए बहुत लोंगो के पास गया। इन कामो के लिए आप किस—किस के पास जाओगे?*

काम	नाम
कपड़ा खरीदने	....
लकड़ी की कुर्सी बनवाने	....
किताब पर जिल्द चढ़वाने	....
बाल कटवाने	....
मोहल्ले की रखवाली करवाने	....
मिट्टी के दीए और सुराही खरीदने	....
माँ की घड़ी ठीक करवाने	....

गतिविधि 9. *अभिभावक बच्चों को नीचे दिए गये वाक्यों में खाली स्थान पर एक का अनेक बनाकर भरने के लिए प्रेरित करें और उनकी सहायता भी करें।*

- *इस कमरे में दो .... (खिड़की) हैं।*
- *बुआ समीना के लिए ढेरों ....(काँपी) लाई।*
- *......................(लड़की) मैदान मे फुटबाल खेल रही हैं।*
- *गोविंद तेज़ी से .... (सीढ़ी) चढ़ रहा था।*
- *गन्दी जगह पर ....(मक्खी) भिनभिनाती रहती हैं।*